

POST GRADUATE CERTIFICATE IN BENGALI
HINDI TRANSLATION PROGRAMME
(PGCBHT)

00278

सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2010

एम.टी.टी.-003 : बांग्ला-हिन्दी के विभिन्न भाषिक
क्षेत्रों में अनुवाद अधिकतम अंक : 100
समय : 3 घंटा

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. क्या प्रशासनिक अनुवाद और साहित्यिक अनुवाद समान होता है? यदि नहीं तो दोनों के बीच किस तरह का अंतर होता है? 20

अथवा

विज्ञापनों के अनुवाद की विशेषताएँ बताइए।

2. निम्नलिखित बांग्ला शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए : 5

উদ্ভট	पाँउया
করতালী	निरापত্তाहीनता
প্রচুর	गतबहूर
কিভাবে	नौवाहिनी
সমীক্ষা	हजम करा

3. निम्नलिखित हिंदी शब्दों के बांग्ला पर्याय लिखिए :

5

घमंड	आँधी
स्थिति	निर्वाचन क्षेत्र
आधारभूत	उम्मीदवार
असली	मंदी
आवक	मुनाफा

4. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें से *किन्हीं पाँच* का बांग्ला 20
और हिंदी में अर्थ बताते हुए हिंदी और बांग्ला के वाक्यों में
अलग-अलग प्रयोग करें।

गंभीर	कृति
अध्यक्ष	आदर
दरबार	ऐतिहासिक
विरक्त	अपवाद
व्यवस्था	मूल

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 4x10=40

(a) एक-एकवार अमितबाबु मने हछिल तौर प्रत्याशाटा बुबि समस्त सन्भाव्यतार सीमा अतिक्रम करे याछे। अमितबाबु एकटि कर्पोरेट संस्वार उच्चपदस्त्र चाकुरे। सन्तान बलते एकटि फुटफुटे कन्या। शहरेर फ्ल्याटे थाकेन तनि। आलो हांया पर्याप्त कित्तु सबुजेर स्पर्श नेई। विनोदनेर उपकरण प्रभूत कित्तु शिशुर समवयसी सगी केउ नेई। तौर मेये मुख गोमड़ा करे स्कुले यावे, तारपर मोटा-तारि ब्याग बये टिडशन पड़ते यावे एवं हाई तुलते तुलते चोख लाल करे होमटास्त्र करवे आर आवार परेर दिन सकाले कांदते कांदते स्कुल ना यांयार बायना करवे एटा किछुतेई तनि चान नि। कित्तु तनि या चान, सेटा कि वास्तव ? केउ केउ बलेछिल, कालिम्पण्डेर वा सिमलार कनभेन्ट स्कुले पाठिये दिते। कित्तु शिशुसन्तानके चोखेर आडाल करते चान ना तनि निजेओ।

रिमार अफिस डालहाडसिते। सकाल ९टाय बेरिये येते हय। मार्केटिंग संस्वाय कर्मरत तौर स्वामीके बेरते हय आरओ सकाल-सकाल। मध्यविश्व परिवार। कित्तु रिमार सख, तौरदेर हेले इंग्रेजि माध्यमे सर्वभारतीय बोर्डेर अधीन

কোনো স্কুলে পড়াশুনা করবে। আর সেই স্কুলের সময় এমন হবে যাতে তিনি অফিস যাওয়ার আগে ছেলেকে বাসে তুলে দিতে পারেন। আর ছেলের ফিরতে ফিরতে যেন বিকেল গড়িয়ে যায়। তিনি শুনেছেন বোর্ডিং স্কুলগুলির তত্ত্বকে সামনে রেখে ডে বোর্ডিং স্কুল এখন উন্নত দেশগুলিতে খুব জনপ্রিয় কিন্তু কলকাতায় বাসে তেমন স্কুল তিনি পাবেন কোথায় ?

(b) সন্তাসবাদ

কিভাবে আপনি সাহায্য করতে পারেন ?

বাড়িওয়ালা অথবা সম্পত্তিবিষয়ক কর্মে যুক্ত ব্যক্তি কোন অপরাধমূলক কাজকর্মে যুক্ত থাকা ব্যক্তির নিকট আপনি সন্দেহ না হয়ে বাড়ি ভাড়া দেবেন না। যদি দেখেন এই রকম কোন ব্যক্তিকে কেউ ভাড়া দিচ্ছেন, তাহলে নিকটবর্তী থানায় অথবা ১০০ ডায়াল করে জানান।

গেস্ট হাউস, লজ অথবা হোটেল

অতিথিদের ঘর ভাড়া দেবার আগে তাদের সঙ্গের নথিপত্রাদি বা কাগজপত্র দেখাতে অনুরোধ করুন।

সন্দেহ হলেই নিকটবর্তী থানায় যোগাযোগ করুন।

(c) সন্ত্রাসবাদ রুখতে একসঙ্গে হাতে হাত মেলান

শেষ হোক

একবার মুখের দিকে তাকিয়ে দেখলেন উনি। কী দেখলেন উনিই জানেন। এঁকে অভিনয় করে ঠকানোর কোনও দরকার নেই। এমন একটি সুন্দর মানুষের মনে কথা দেওয়ার কোনও প্রয়োজন নেই। কফিটা তৈরি করে এক কাপ ওর হাতে দিয়ে ওপরের দিকে দেখালেন, যাও দিয়ে এসো শান্তনুকে। ভালই হল, বাড়িটা একবার দেখা যাবে পুরোটা। নিজেকে ধমকাল অল্লেশা, কী হচ্ছে কী ? এটা যে একটা সুন্দর নিখুঁত বাড়ি, এটা যে তাদের দু'কামরার ছোট ফ্ল্যাট বাড়ির চেয়ে অনেক অনেক ভাল তাতে কোনও সন্দেহ নেই। এ বাড়িতে দু'জন ভাল মনের মানুষ বাস করে। একবার বড় বাড়ির মোহে তার মুখ পুড়েছে সেকথা তার কখনও ভোলা উচিত নয়।

- আসতে পারি ?

- আসুন আসুন। কফি ? মা পাঠাল বুঝি ?

- আপনাদের বাড়িটা বেশ সুন্দর। অপার শান্তি এখানে।

- মা কী বলল ?

- জিজ্ঞেস করলেন আমি কি আপনাকে ভালবাসি ? আমি তার কোনও উত্তর দিতে পারি নি।

- ও মা ঠিক বুঝে নেবে।

চারিদিকে চোখ বুলিয়ে নিচ্ছিল অল্পে। উনি নিজে থেকে সুযোগ করে দিয়েছেন সব দেখে আসতে। তখনি একটা কথা মনে এল তার।

- আপনি কি সত্যি সত্যি সিরিয়াস ? ভাবছেন অল্পেবাকে বিয়ে করা যায় কিনা ?

- সেই জন্যই তো ডেকে এনেছি। সব ভেবে উত্তর দেবেন। এর মধ্যে তিনটি জীবনের জড়িয়ে যাওয়ার ব্যাপার রয়েছে। সুতরাং-

- আমার সম্বন্ধে কিছুই জানেন না। যদি বলি আমি ঠিক বিয়ের উপযুক্ত পাত্রী নই ?

- সেটা কী রকমের কথা হল, আপনি কি বিবাহিত ?

(d) দর্জিপাড়ার মর্জিনারা। বিকৃত এক আয়নার সামনে দাঁড় করিয়ে এই নাটক কি সমাজটাকে যা মেরে বাঁচাতে চাইছে !

একজন সদর্শক নাট্যকার হিসেবে রাত্য বসু নিজেকে যেমন বার বার প্রমাণ করেছেন, তেমনই প্রমাণ করেছেন নাট্যকার হিসাবে সমাজের প্রতি তাঁর দায়বদ্ধতা। মাধ্যমটির উপর তাঁর তর্কাতীত দখল তাঁকে বাংলা নাট্যজগতে একটি গুরুত্বপূর্ণ স্থান নিতে অবশ্যই সাহায্য করেছে। তবে, সুজাতা সদনে নিভা আর্টস-এর নিবেদনে স্বপ্নসন্ধানীর প্রযোজনা 'দর্জিপাড়ার মর্জিনারা।' নাটকটি দেখে একটি মিশ্র অনুভূতি জাগল। এই নাটক, স্বপ্নসন্ধানী যেটিকে প্রাপ্তবয়স্কদের নাটক

বলে বিজ্ঞপিত করেছে, তা বড়ই নিরর্থক মনে হয়েছে। ফলে
ব্রাত্য সাধারণ দর্শকের খুব একটা নিকটে যেতে পেরেছেন
বলে মনে হল না। বেশ কিছুটা দূরত্ব তৈরি হয় যখন দর্শক
দেখেন নাট্যকার সমাজের যে-ছবিটি তুলে ধরেছেন তা নিকষ
কালো - ব্যভিচারে নিমজ্জিত সমাজের প্রতিটি মানুষ, পারস্পরিক
কোনও শ্রদ্ধা নেই, কোনও ভালবাসা নেই। সমাজের এই
ক্লেশদাক্ত চিত্রটি হয়তো সাধারণ দর্শক সহজে মেনে নিতে
পারবেন না।

- (e) ভারতীয় ক্রিকেটের দুর্ভাগ্য যে, বিসিসিআই (বোর্ড
অফ কন্ট্রোল ফর ক্রিকেট ইন ইণ্ডিয়া) কর্তাদের ডোপিং
সম্পর্কিত বিধিনিষেধ সম্বন্ধে কোনও সম্যক ধারণাই নেই।
ওয়াডা (ওয়ার্ল্ড অ্যান্টি ডোপিং এজেন্সি)-র 'হোয়ারঅ্যাবাইটস
ক্লজ' এবং অন্যান্য নিয়ম নিয়ে তাঁরা কিছুদিন আগে পর্যন্তও
অন্ধকারে ছিলেন। অবস্থা এতটাই করুণ যে, এই বিষয়ে
ক্রিকেটারদের সঠিক তথ্য দেওয়ার জন্য শেষ পর্যন্ত বোর্ড
কর্তাদের নাডা-র (ন্যাশনাল অ্যান্টি ডোপিং এজেন্সি) দ্বারস্থ
হতে হয়েছে।

প্রশ্ন জাগে, কেন বিসিসিআই কর্তারা ওয়াডা-র বিধি
সম্পর্কে অবগত নন ? ২০০৩ সালে বিশ্বের ১৯২টি দেশ

একটি সর্বাঙ্গিক অ্যান্টি ডোপিং কোড চালু করার কথা মেনে নিয়েছিল। এই ১৯২টি দেশের তালিকায় ছিল ভারতও। চুক্তি অনুযায়ী, বিসিসিআই ওয়াডা-র অ্যান্টি ডোপিং কোডের আওতায় আছে। যেখানে ফিফার মতো আন্তর্জাতিক সংস্থা ওয়াডা-র শর্ত মেনে নিয়েছে, সেখানে এই মর্মে বিসিসিআই-এর আপত্তি ধোপে টেকে না। বিশেষত, যেখানে আইসিসি (ইন্টারন্যাশনাল ক্রিকেট কাউন্সিল) প্রতিটি দেশকেই ওয়াডার বিধি সম্পর্কে সচেতন করে দিয়েছে গত বছর।

শচীন তেন্ডুলকার বা মহেন্দ্র সিংহ ধোনির প্রধান আপত্তি ওয়াডা-র হোয়ারঅ্যাবাউটস ক্লজ নিয়ে। কী সেই ক্লজ ? নিজেদের আগামী তিনমাসের যাবতীয় খোঁজখবর খেলোয়াড়রা দিয়ে রাখবেন ওয়াডা কর্তৃপক্ষকে। এই তিন মাসের মধ্যে ওয়াডার প্রতিনিধি খেলোয়াড়দের ডোপ টেস্ট করতে পারেন কোনওরকম আগাম খবর না দিয়েই। ভারতীয় ক্রিকেটাররা নিরাপত্তা-র দোহাই দিয়ে চুক্তি মানতে নারাজ। অথচ এই শর্ত মেনে নিয়েছেন শ্রীলঙ্কা এবং পাকিস্তানের ক্রিকেটাররা। তবে রজার ফেডেরার, মাইকেল ফেল্লস বা অন্যান্য দেশের ক্রীড়াবিদদের ব্যক্তিগত জীবন বা নিরাপত্তা ভারতীয় ক্রিকেটারদের চেয়ে কম গুরুত্বপূর্ণ ?

- (f) □ গরিব দেশের অনেকগুলি সূচক থাকে, শিল্পকলার সংরক্ষণবিদ্যা শেখানোর কোনও ব্যবস্থা এদেশের সিলেবাসে না থাকারটাই প্রমাণ করে যে, এ দেশ গরিব দেশ।

বস্তুর ধর্মেই তার সংরক্ষণ প্রয়োজন হয়। ব্যক্তিগত স্তরে শিল্পবস্তু হিসেবে ছবি ও মূর্তি কেনার প্রবণতা থেকেই কোনও কোনও গ্যালারি ছবি ও মূর্তির প্রিজার্ভেশন এবং রেস্টোরেশনে উদ্যমী হয়েছেন। তেমনি কয়েকটি রেস্টোর্ড বা নষ্টোদ্ধার করা ছবির প্রদর্শনী করলেন চিত্রকূট গ্যালারি। এগুলি উদ্ধার করেছেন উদ্ধৃতি চন্দ্রবর্তী। এই নষ্ট ছবির মধ্যে ছিল তেলরঙে ক্যানভাসে ও জলরঙে কাগজে আঁকা ছবি। তেলরঙের ছবির মধ্যে অনেকগুলি ছিল তথাকথিত ডাচ বেঙ্গল ছবি। বাংলায় ওলন্দাজ উপনিবেশে আঁকা ছবিকে জয়া আম্পাসামী 'ডাচ বেঙ্গল' নাম দিলেও ওই ছবির সঙ্গে ডাচদের কোনও সম্পর্ক নেই। উনিশ শতকের গোড়ায় বাংলার একদল শিল্পী গুঁড়ো রঙে তেল মিশিয়ে আধা-লৌকিক চঙে এদেশি দেবদেবীর ও পুরাণ উপাখ্যানের বেশ কিছু ছবি আঁকেছিলেন। ওই ছবির স্টাইলটাই এদেশি। একটু আর্কটু শেডিং দিয়ে ওতে ইওরোপিয়ান ছোঁয়া দেওয়া হয়েছিল। যাই-হোক এই ছবিগুলির ঐতিহাসিক মূল্য অনেকখানি। এই শৈলীও এক বিশেষ পিরিয়ড স্টাইল। ওতে সামাজিক নীতিবোধ, রীতি-রেওয়াজ, পোশাক-পরিচ্ছদ, যাত্রা-নাটকের অনেকখানি চাক্ষুস ইতিহাস রয়েছে। এগুলোকে নষ্ট হতে দেওয়া নিজের অতীতকেই অবহেলা করার সামিল। বহুদিন এগুলো বড়লোকদের বাড়িতে বাড়িতে নষ্ট হচ্ছিল।

6. निम्नलिखित में से **किसी एक** का बांग्ला में अनुवाद कीजिए : 10

(a) नई दिल्ली, 26 सितंबर (भाषा)। मुंबई की महिंद्रा युनाइटेड एएफसी कप के सेमी फाइनल में पहुँचने के करीब जाकर अंतिम क्षणों में पेनल्टी पर हुए गोल के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गई। बेरूत स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सर्बिया के डिफेंडर मिलान बुगोनोविच ने अतिरिक्त समय में गोल करके लेबनान के अल नेजमेह को महिंद्रा के खिलाफ 3-3 से बराबरी दिला दी। इस ड्रा की बदौलत अल नेजमेह ने 5-4 के कुल स्कोर के साथ लगातार तीसरी बार प्रतियोगिता के अंतिम चार में जगह बना ली है।

लेबनान की टीम अब जार्डन की शबाब अल ओरडुन से भिड़ेगी जिसने दोहरे चरण में सिंगापुर सशस्त्र सेना एफसी को 5-3 से हराया। घरेलू चरण में हाल ही में दिल्ली के आंबेडकर स्टेडियम में 1-2 से शिकस्त झेलने वाली महिंद्रा ने इस मैच में चमत्कारी ढंग से वापसी की लेकिन जीत दर्ज करने में असफल रही।

मैच के पहले हाफ में ही मेजबान टीम ने मोहम्मद गदर (12वें मिनट) और क्रोएशिया के एंटे मिलास (23वें मिनट) के गोल की बदौलत 2-0 की बढ़त बना ली थी। महिंद्रा के लिए इसके बाद स्ट्राइकर एडसन मिंगा, डिको (33वें मिनट) ने मध्यांतर से पहले गोल करके मेजबान टीम की बढ़त को कम किया। मध्यांतर के बाद महिंद्रा के लिए हरप्रीत सिंह (64वें मिनट) और एंड्रयूज पोमेई (78वें मिनट) ने गोल कर टीम को 3-2 से आगे किया और कुल स्कोर भी 4-4 से बराबर कर दिया।

(b) लचीले नियमों से पाटा जा सकता है वित्त पोषण का अंतर: आयोग

न्यूयार्क, 26 सितंबर (भाषा)। वाणिज्यिक बैंकों के लिए ऋण नियमों में ढील देने से भारत के लिए जरूरी 40 अरब डालर के वित्तपोषण का अंतर पाटा जा सकता है। बुनियादी ढांचा विकास के लिए भारत को यह राशि 2012 तक चाहिए।

योजना आयोग ने सोमवार को जारी एक मशविरा पत्र में अनुमान लगाया कि देश को ग्यारहवीं योजनावधि के दौरान 492 अरब डालर की जरूरत है। इस रकम का उपयोग बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण में होगा। नौ फीसद की आर्थिक विकास दर हासिल करने के लिए ऐसा करना जरूरी होगा। कुल रकम में से 240 अरब डालर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र ऋण के जरिए जुटाएंगे। योजना पैनल के आकलन से हालांकि पता चलता है कि ऋण के रूप में मिलने वाले 40 करोड़ डालर कम पड़ेंगे।

दस्तावेज का अध्ययन करने वाले एक सूत्र ने बताया कि अगर अल्ट्रा मेगा बिजली परियोजनाओं के लिए कैपिटव कोयला खदान हो तो उसके लिए ऋण के रूप में कम से कम दस हजार करोड़ रुपए की जरूरत होगी।